मॉडल प्रश्न पत्र

सत्र-2022-23

कक्षा-10

विषय-प्रारम्भिक हिन्दी (खण्ड-अ)

समय- 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक- 70**

निर्देश-

(I) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(II) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(III) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R. शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(IV) खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(V) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) के प्रश्नों को हल करने हेतु 1 घण्टा तथा खण्ड (ब) के प्रश्नों को हल करने हेतु 2 घण्टे का समय निर्धारित है।

(VI) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न खण्ड-अ **पूर्णांक-20**

प्रश्न-1 'ठलुआ क्लब' किस विधा की रचना है- 01

1. निबन्ध 2. रेखाचित्र

3. संस्मरण 4. नाटक

प्रश्न-2 'जय-पराजय' किसका नाटक है- 01

1. इलाचन्द जोशी 2. जयशंकर प्रसाद

3. उपेन्द्र नाथ 'अश्क' 4. राजेन्द्र यादव

प्रश्न-3 राम चन्द्र शुक्ल किस युग के लेखक हैं- 01

1. भारतेन्दु युग 2. द्विवेदी युग

3. प्रगतिवाद 4. शुक्ल युग

प्रश्न-4 आंचलिक उपन्यासकार हैं- 01

1. जैनेन्द्र कुमार 2. अज्ञेय

3. फणीश्वरनाथ रेणु 4. रामधारी सिंह दिनकर

प्रश्न-5 शुक्ल युग की समयावधि है- 01

1. सन् 1918 से 1936 तक
2. सन् 1900 से 1918 तक
3. सन् 1843 से 1900 तक
4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-6 'आश्रयदाताओं की प्रशंसा' किस युग की प्रमुख विशेषता रही है- 01

1. भक्तिकाल 2. आधुनिक काल

3. रीतिकाल 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-7 जयशंकर प्रसाद किस युग के प्रमुख कवि हैं- 01

1. छायावाद 2. प्रगतिवाद

3. द्विवेदी युग 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-8 'प्रकृति का मानवीकरण' किस युग की प्रमुख विशेषता रही है- 01

1. प्रगतिवाद 2. प्रयोगवाद

3. छायावाद 4. अकविता

प्रश्न-9 'नीरजा' किसकी रचना है- 01

1. महादेवी वर्मा 2. सुमित्रानन्दन पंत

3. जयशंकर प्रसाद 4. निराला

प्रश्न-10 'गीत फरोश' किसकी रचना है- 01

1. भवानी प्रसाद मिश्र 2. धर्मवीर भारती

3. नागार्जुन 4. अज्ञेय

प्रश्न-11 'चक्रपाणि' में समास है- 01+01=02

1. वहुब्रीहि 2. द्वन्द्व

3. अव्ययी भाव 4. तत्पुरुष

प्रश्न-12 वहुब्रीहि समास की परिभाषा है 01

1. अन्य पद प्रधान है।
2. उत्तर पद प्रधान है।
3. पूर्व पद प्रधान है।
4. जहाँ दोनों पद प्रधान हों।

प्रश्न-13 'कमल' का पर्याय है- 01

1. वारिद 2. सरसिज

3. आलय 4. पयोद

प्रश्न-14 'पराधीनता' का विलोम है- 01

1. स्वाधीनता 2. आजादी

3. परतंत्रता 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-15 'चौराहा' का तत्सम है- 01

1. चतुर्पद 2. चतुष्पथ

3. दोरास्ता 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-16 'कर्पट' का तद्भव है- 01

1. कपाट 2. दरवाजा

3. कपड़ा 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-17 'जो ईश्वर में विश्वास रखता हो' उसे कहते हैं- 01

1. आस्तिक 2. नास्तिक

3. स्वास्तिक 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-18 'रमेश' का संधि विच्छेद है- 01

1. रमा + ईश 2. रम + ईश

3. रमे + ईश 4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-19 ‘फलस्य’ में विभक्ति और वचन है- 01

1. षष्ठी विभक्ति एकवचन
2. सप्तमी विभक्ति एकवचन
3. पंचमी विभक्ति बहुवचन
4. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न-20 ‘पठेतम्’ में वचन और पुरुष है- 01

1. द्विवचन मध्यम पुरूष
2. एकवचन उत्तम पुरूष
3. एकवचन प्रथम पुरूष
4. इनमें से कोई नहीं

पूर्णांक-50

(खण्ड-ब) (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न-1 दिये गये गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 3×2=06

रोहतास-दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी युवती ममता, शोण के तीक्ष्ण गम्भीर प्रवाह को देख रही है। ममता विधवा थी। उसका यौवन शोण के समान ही उमड़ रहा था। मन में वेदना, मस्तक में आंधी, आंखों में पानी की बरसात लिए, वह सुख के कंटक शयन में विकल थी। वह रोहतास दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की एकमात्र दुहिता थी। फिर उसके लिए कुछ भी अभाव हो, असम्भव था। तब उसकी विडम्बना का कहाँ अन्त था?

(I) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(II) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार हिन्दू-विधवा की स्थिति कैसी है?

अथवा

हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते है जिसे जो जिस रूप का चाहे उस रूप का करे- चाहे राक्षस बनावे, चाहे देवता। ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प है क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है।

(I) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(II) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) हमें किन लोगों का साथ नहीं करना चाहिए।

प्रश्न-2 दिए गए पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए। 3×2=06

उधौ मन न भयो दस बीस।
एक हुतौ सो गयौ स्याम संग, को अवराधै ईश।
इंद्री सिथिल भई केसव बिन, ज्यौं देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहि कोटि बरीश।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के सकल जोग के ईश।
सूर हमारै नंदनंदन बिनु, और नहीं जगदीश।

(I) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(II) रेखांकित अंश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(III) उपर्युक्त पंक्तियों की भाषा एवं छन्द लिखिए।

अथवा

सीस जटा उर बाहु विभाल, विलोचन तिरिहि सी भौहें
वून सरासन वान धरे, तुलसी वन मारग में सुरि सौहें।
सादर वारहिं वार सुभाय चितै तुम त्यों हमरो मन मोहैं।
पूछति ग्राम-वधू सिय सो कहौं सावरे से सखि सांवरे को है।

(I) उपर्युक्त पंक्तियों का संदर्भ लिखिए।

(II) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(III) 'वाहु विसाल विलोचन लाल' में कौन सा अलंकार है?

प्रश्न-3(क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=05

इयं नगरी विविधधर्माणां सङ्गमस्थली। महात्मा बुद्धः, तीर्थङ्करः पार्शवनाथः, शङ्कराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रासारयन्। न केवलं दर्शने, साहित्ये, धर्मे, अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलानां, शिल्पानात्र कृते लोके विश्रुता। अत्रत्याः कौशेयसाटिकाः देशे देशे सर्वत्र स्पृह्यन्ते। अत्रत्याः प्रस्तरमूर्तयः प्रथिताः।

अथवा

एषा कर्मवीराणां संस्कृतिः। "कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेच्छतं समाः" इति अस्याः उद्घोषः। पूर्वं कर्म, तदनन्तरं फलम् इति अस्माकं संस्कृतेः नियमः। इदानीं यदा वयं राष्ट्रस्य

नवनिर्माणे संलग्नाः स्मः निरन्तरं कर्मकरणम् अस्माकं मुख्यं कर्तव्यम्। निजस्य श्रमस्य फलं भोग्यं, अन्यस्य श्रमस्य शोषणं सर्वथा वर्जनीयम्। यदि वयं विपरीतम् आचरामः तदा न वयं सत्यं भरतीयसंस्कृतेः उपासकाः। वयं तदैव यथार्थं भारतीयाः यदास्माकम् आचारे विचारे च अस्माकं संस्कृति। लक्षिता भवेत्। अभिलषामः वयं यत् विश्वस्य अभ्युदयाय भारतीयसंस्कृते एषः दिव्यः लोके सर्वत्र प्रसरेत।

प्रश्न-3(ख) दिये गए संस्कृत श्लोकों में से किसी एक श्लोक का संदर्भ सहित अनुवाद कीजिए। 2+3=05

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

अथवा

मरणं मङ्गलं यत्र विभूतिश्च विभूषणम्।
कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयते।।

प्रश्न-4(क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=05

(I) रामचन्द्र शुक्ल

(II) डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद

(III) जयशंकर प्रसाद

प्रश्न-4(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए। 3+2=05

(I) तुलसीदास

(II) सूरदास

(III) सुमित्रानन्दन पंत

प्रश्न-5 दिये गये संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए।2+2=04

(I) भारतीय संस्कृतेः कः दिव्यः संदेशः अस्ति?

(II) वाराणस्याम् कति विश्वविद्यालयः सन्ति?

(III) विविध धर्माणाम् संगमस्थली का नगरी?

प्रश्न-6(क) हास्य रस की परिभाषा लिखते हुए उसका एक उदाहरण दीजिए। 1+1=02

(ख) उपमा अलंकार की परिभाषा लिख कर एक उदाहरण लिखिए। 1+1=02

(ग) चौपाई छंद के लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए। 1+1=02

प्रश्न-7 निम्नलिखित लोकोक्ति एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिए। 1+1=02

(**क**) नौ दो ग्यारह होना

(**ख**) अंगारों पर पैर रखना

(**ग**) अधजल गगरी छलकत जाए

(**घ**) अपनी खिचड़ी अलग पकाना।

प्रश्न-8 निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर निबन्ध लिखिएः 6×1=06

(I) वृक्ष धरा का आभूषण है।

(II) मेरा प्रिय पर्व

(III) प्रदूषण समस्या

(IV) जीवन में खेल का महत्व।